7 सलीम का आत्मविश्वास

पाठ के उद्देश्य
- देशप्रेम
- आशावादी दृष्टिकोण
- मानवता से प्रेम
- मदद करना

चौदह नवंबर का दिन था। आज विद्यालय में बाल दिवस धूमधाम से मनाया जा रहा था। सभी बच्चे बहुत खुश थे। कुछ बच्चे खेल रहे थे तो कुछ चाट-पकौड़ी खा रहे थे तो कुछ झूले झूल रहे थे। अंकित भी आज बहुत खुश था। तभी पूरी छुट्टी की घंटी बजी और सब बच्चे अपने-अपने घर जाने लगे। अंकित को लेने उसके ड्राइवर अंकल आए थे। उनका नाम अहमद था। वे उसके घर के पीछे बने मकानों में ही रहते थे। अंकित ने जैसे ही ड्राइवर अंकल को देखा तो वह भी उछलता-कूदता गाड़ी के पास पहुँच गया। आज गाड़ी में ड्राइवर अंकल का बेटा भी था। उसे देखकर अंकित बहुत खुश हुआ।

अध्यापन संकेत : बच्चों को बताइए कि शारीरिक या मानसिक रूप से पीड़ित व्यक्ति का कभी मज़ाक नहीं उड़ाना चाहिए क्योंकि उन्हें भी आम आदमी की तरह आत्मसम्मान के साथ जीने का अधिकार है। उनसे पूछिए कि उन्नति के रास्ते में बाधा कब होती है? इस पाठ के माध्यम से बच्चों को कठिनाई पर विजय प्राप्त करने और धैर्य के साथ बाधाएँ पार करने की प्रेरणा दें।

"क्या नाम है तुम्हारा?"–अंकित ने पूछा।

"स-ली-म"–उसने हकलाते हुए बताया। "कौन-सी कक्षा में पढ़ते हो?"–सलीम कुछ नहीं बोला तो ड्राइवर अंकल ने बताया–"बेटा, सलीम को हकलाने की बीमारी है। उसे पढ़ने-लिखने में भी कठिनाई होती है। वैसे भी हमारे पास इतना पैसा नहीं है कि हम इसकी पढ़ाई पर खर्च कर सकें।" ड्राइवर अंकल की बात सुनकर अंकित सन्न रह गया। बोला–"नहीं अंकल! सलीम को हमारे प्रेम और सहारे की ज़रूरत है। सभी बच्चे एक से नहीं होते।" अंकित ने मन में निश्चय किया कि वह सलीम की अवश्य सहायता करेगा। उसने सलीम से पूछा–"क्या तुम पढ़ना चाहोगे?"

"हाँ भैया! मैं आपको जब भी स्कूल जाते हुए देखता हूँ तो मेरा मन भी स्कूल जाने के लिए करता है परंतु..." सलीम ने हकलाते हुए कहा। यह कहकर सलीम की आँखें भर आईं। अंकित ने धीरे से उसके कंधे पर हाथ रखा। तब तक घर आ गया था। अंकित ने हाथ हिलाकर सलीम से विदा ली।

घर आकर अंकित ने अपने माता-पिता को सलीम के बारे में बताया और कहा–"क्या हम सलीम की सहायता कर सकते हैं?" उन्होंने प्यार से अंकित के सिर पर हाथ फेरते हुए कहा–"अंकित, तुम्हारा विचार बहुत अच्छा है। हम अवश्य ही सलीम की सहायता करेंगे।"

अगले दिन अंकित के माता-पिता ने सलीम का दाखिला पास के ही एक विद्यालय में करा दिया। अंकित ने भी अपने जेबखर्च के जोड़े हुए पैसों से सलीम के लिए किताबें-कॉपियाँ और विद्यालय की यूनीफॉर्म लाकर दीं। अंकित के मन में सहयोग की भावना को देखकर उसके माता-पिता गद्‌गद् हो उठे। उन्होंने अंकित की पीठ थपथपाई।

अब सलीम विद्यालय तो जाने लगा पर झिझक और भय का राक्षस उसे आगे नहीं बढ़ने दे रहा था। एक दिन विद्यालय से घर आते हुए अंकित ने देखा कि सलीम बहुत उदास है और उसकी किताब नीचे रखी हुई है। वह सलीम के पास रुक गया। उसने किताब उठाकर सही जगह पर रखी और प्यार से बोला–"सलीम, क्या बात है? तुम परेशान क्यों हो रहे हो?"

सलीम रोने लगा। उसकी आँखों से आँसू बहने लगे। वह हकलाते हुए बोला–"भैया, शायद मेरी किस्मत में पढ़ाई नहीं है। मैं बहुत कोशिश करता हूँ पर.... सब बेकार।"–कहकर सलीम फूट-फूटकर रो पड़ा।

अंकित ने उसे सांत्वना दी। फिर बोला–"सलीम तुम चिंता मत करो। तुम अवश्य ही पढ़ना सीख जाओगे। मैं तुम्हारी सहायता करूँगा।"

उस दिन के बाद अंकित सलीम के साथ अब और ज़्यादा समय बिताने लगा। एक दिन अंकित ने देखा कि सलीम धीरे-धीरे गुनगुना रहा है। उसे सलीम की आवाज़ बहुत ही मधुर लगी और गाते समय उसकी आवाज़ उतनी नहीं अटक रही थी। उसने विद्यालय में सलीम से कहा–"सलीम, तुम्हारी आवाज़ तो बहुत सुंदर है। क्या तुम अगले महीने विद्यालय में होने वाली गायन प्रतियोगिता में भाग लोगे?" यह सुनकर सलीम सन्न रह गया। फिर बोला–"भैया, मैं... मैं किसी प्रतियोगिता में भाग कैसे ले सकता हूँ?"

अंकित बोला–"क्यों नहीं ले सकते! तुम्हारे अंदर तो बहुत प्रतिभा है। तुम अवश्य ही गा सकते हो।" ऐसा कहकर अंकित सलीम को गाने के लिए प्रोत्साहित करने लगा। वह मान गया और उसने गाना शुरू किया परंतु थोड़ा-सा गाकर रुक गया। अंकित ने भी हार नहीं मानी क्योंकि उसने सलीम को अच्छी तरह परख लिया था। वह लगातार सलीम की हिम्मत बढ़ाता रहा।"

धीरे-धीरे सलीम के अंदर आत्मविश्वास उत्पन्न हो गया। वह और गाने का अभ्यास करने लगा।

धीरे-धीरे दिन बीतते गए और सलीम की प्रतिभा निखरती चली गई। गायन-प्रतियोगिता का दिन भी आ गया। उस दिन सलीम और अंकित के साथ-साथ उनके माता-पिता भी सलीम के विद्यालय गए। सलीम डगमगाते हुए स्टेज की ओर बढ़ा। सभी ने तालियाँ बजाकर उसका हौसला बढ़ाया। सलीम की मधुर आवाज़ में देशभक्ति का गीत सुनकर सबकी आँखें नम हो गईं। कुछ देर बाद प्रतियोगिता का परिणाम घोषित हुआ जिसमें सलीम को प्रथम पुरस्कार मिला। विद्यालय के प्रधानाचार्य, सभी अध्यापक-अध्यापिकाएँ और विद्यार्थी सलीम की प्रशंसा करने लगे और विद्यालय का प्रांगण तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा। उस दिन के बाद सलीम में हर चीज़ के प्रति आत्मविश्वास उत्पन्न हो गया। अब उसके पढ़ाई में भी अच्छे अंक आने लगे।

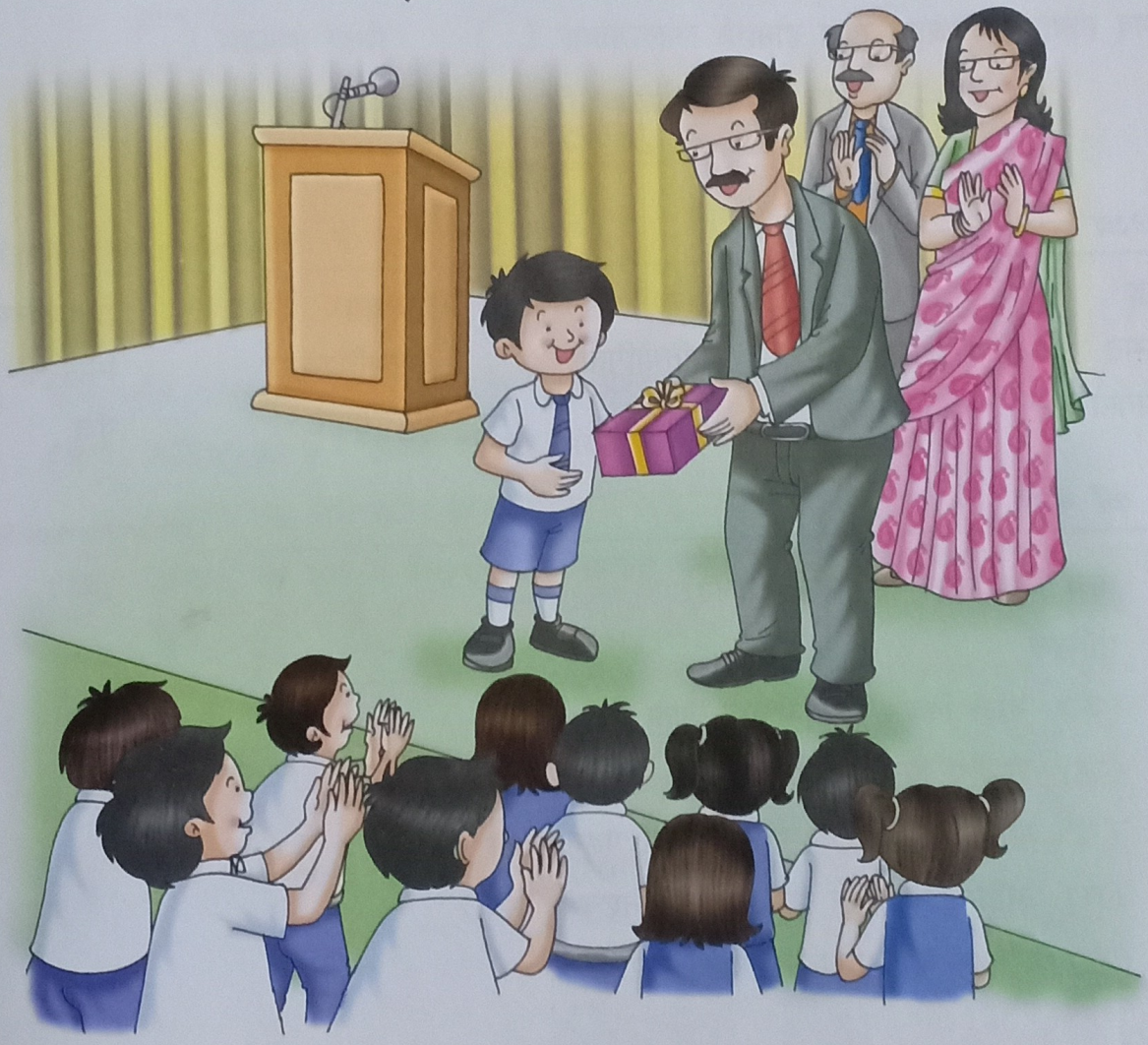

नए शब्द

सन्न – स्तब्ध, जड़, चुप
निश्चय – संकल्प करना
दाखिला – प्रवेश
सहयोग – मिल-जुलकर काम करने का भाव
झिझक – संकोच, हिचक
किस्मत – भाग्य, तकदीर
सांत्वना – आश्वासन, तसल्ली
प्रतिभा – योग्यता
प्रोत्साहित करना – उत्साह बढ़ाना
परख – अच्छे-बुरे की समझ, पहचान
आत्मविश्वास – अपने ऊपर विश्वास
प्रशंसा – तारीफ़
प्रांगण – आँगन

मुहावरे

पीठ थपथपाना – शाबाशी देना
सन्न रह जाना – हैरान होना
गद्‌गद् होना – बहुत खुश होना

अभ्यास

श्रुतलेख

Listening and Writing Skills

चौदह	नवंबर	सन्न	निश्चय	विद्‌यालय
किस्मत	सांत्वना	प्रतियोगिता	आत्मविश्वास	निखरना
डगमगाते	घोषित	प्रांगण	गड़गड़ाहट	गूँज

पाठ की बात

Comprehension Skills

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मौखिक

(क) बाल दिवस कब मनाया जाता है?
(ख) सलीम किसका बेटा था?
(ग) सलीम विद्‌यालय में क्यों नहीं पढ़ने जाता था?
(घ) अंकित ने अपने मन में क्या निश्चय किया?
(ङ) सलीम का दाखिला किसने कराया?

लिखित

(क) अंकित ने सलीम की किस प्रकार सहायता की?

(ख) सलीम विद्यालय जाने से क्यों झिझकता था?

(ग) सलीम का कौन-सा गुण अंकित को अच्छा लगा?

(घ) अंकित ने सलीम की हिम्मत क्यों बढ़ाई?

(ङ) सलीम को गायन-प्रतियोगिता में कौन-सा पुरस्कार प्राप्त हुआ?

2. सही उत्तर चुनकर (✓) लगाइए।

(क) अंकित के ड्राइवर का क्या नाम था?

◯ अहमद ◯ सलीम ◯ जैकब

(ख) बाल दिवस किसके जन्मदिन के अवसर पर मनाया जाता है?

◯ महात्मा गांधी ◯ जवाहरलाल नेहरू ◯ इंदिरा गांधी

(ग) अंकित ने किस प्रकार सलीम की किताबें-कॉपियाँ खरीदीं?

◯ माता-पिता से पैसे लेकर

◯ अहमद से पैसे लेकर

◯ अपनी जेबखर्च के पैसों से

3. नीचे कुछ उत्तर दिए गए हैं। उनके लिए प्रश्न बनाइए।

(क) अंकित को लेने उसके ड्राइवर अंकल आए थे।

अंकित को लेने कौन आया था?

(ख) अंकित के मन में सहयोग की भावना को देखकर उसके माता-पिता गद्‌गद् हो उठे।

(ग) सभी ने तालियाँ बजाकर सलीम का हौसला बढ़ाया।

(घ) सलीम ने गायन प्रतियोगिता में देशभक्ति का गीत सुनाया।

भाषा की बात

1. नीचे दिए शब्दों से इस प्रकार वाक्य बनाइए कि उनके अर्थ स्पष्ट हो जाएँ।

मत — वोट, नहीं

हार — गले का हार, पराजित होना

अंक — संख्या, गोद

2. दिए गए शब्दों के उचित शब्द चुनकर जोड़े बनाइए।

पकौड़ी लिखना कूदता अपने पिता कॉपियाँ

माता – पिता

पढ़ना – _____

चाट – _____

किताबें – _____

उछलता – _____

अपने – _____

3. नीचे दिए शब्दों के अर्थ लिखिए।

(क) दिन – दिवस

दीन – गरीब

(ख) परिणाम – _____

परिमाण – _____

(ग) अंक – _____

अंग – _____

(घ) समान – _____

सामान – _____

4. नीचे दिए शब्दों के लिंग बदलिए।

स्त्रीलिंग		पुल्लिंग
माता	–	पिता
छात्रा	–	_____
धोबिन	–	_____
अध्यापिका	–	_____

पुल्लिंग		स्त्रीलिंग
बच्चा	–	_____
भैया	–	_____
लेखक	–	_____
प्रधानाचार्य	–	_____

5. नीचे दिए मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

(क) पीठ थपथपाना – _____

_____

(ख) सन्न रह जाना – _____

_____

(ग) गद्‌गद् होना – _____

_____

6. सही स्थान पर विराम-चिह्न लगाकर वाक्य पढ़िए।

।	?	!	-	"	"

(क) तुम परेशान क्यों हो रहे हो

(ख) सलीम तुम्हारी आवाज़ तो बहुत सुंदर है

(ग) अंकित सलीम के पास रुक गया

(घ) ड्राइवर अंकल ने बताया बेटा सलीम को हकलाने की बीमारी है

(ङ) सब बच्चे अपने अपने घर जाने लगे

मूल्यपरक प्रश्न

Life Skills

1. असंभव कार्य को भी संभव किस प्रकार किया जा सकता है?
2. आप किसी विकलांग व्यक्ति की सहायता कैसे करेंगे?
3. यदि आपके सामने कोई किसी विकलांग व्यक्ति का मज़ाक बना रहा है तो आप क्या करेंगे?

सोच-समझ की बात

Thinking and Speaking Skills

1. किसी ऐसी घटना का वर्णन कक्षा में सुनाइए जब आप किसी की प्रेरणा से आगे बढ़े हों।
2. विकलांगता कब अभिशाप बन जाती है?
3. सही मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से प्रतिभा निखर उठती है। कक्षा में चर्चा कीजिए।

कुछ करने की बात

1. आपके विद्यालय में बाल दिवस के अवसर पर एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। उसके लिए एक विज्ञापन या पोस्टर बनाइए।
2. जीवन में सकारात्मक सोच के महत्व पर एक अनुच्छेद लिखिए।

अपठित गद्यांश

- नीचे दिए गद्यांश को पढ़िए और सही उत्तर चुनकर (✓) लगाइए।

साहस वह विलक्षण गुण है जो मनुष्य को चुनौतियों का सामना करने की शक्ति और संघर्षों से जूझने की क्षमता प्रदान करता है। साहस वह उदात्त भावना है जो मनुष्य को उस ऊँचाई तक पहुँचाती है, जहाँ बाहरी शक्तियों की अपेक्षा आंतरिक शक्तियों का अधिक महत्व है। मन के साहस द्वारा ही व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में लगातार संघर्ष करने की क्षमता और बिना निराश हुए हार को जीत में बदलने की इच्छा रखता है।

(क) मनुष्य को चुनौतियों का सामना करने की शक्ति कौन देता है?

◯ संघर्ष ◯ हार ◯ साहस

(ख) मनुष्य को ऊँचाई तक पहुँचाने में कौन-सी शक्तियों का अधिक महत्व है?

◯ आंतरिक ◯ बाहरी ◯ दैवीय

(ग) 'गुण' का विलोम क्या है?

◯ गुणी ◯ दोषी ◯ दोष

(घ) 'विपरीत' शब्द का वर्ण-विच्छेद क्या होगा?

◯ व् + इ + प् + अ + र् + ई + त् + अ

◯ व् + ई + प् + अ + र् + ई + त् + अ

◯ व् + प् + अ + र् + इ + त् + अ